बालमन

Powered by Teachers of Bihar

Pramod Kumar- +91 9661547325 Dheeraj Kumar- +91 9431680675

+91 7250818080 info@teachersofbihar.org |
wwww.teachersofbihar.org teachersofbihar@gmail.com

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उददेश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में रचनात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंजिल से,
सब नजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हजारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

मैं बिहार हूं-

महर्षि बाल्मीकि का मैं रामायण हूं
एस०एच०बिहारी का मैं गायन हूं
बहादुर और बिस्मिल्लाह खां की
वाद्य यंत्रों का सदा मैं वादन हूं

मैं गांधी जी का सत्याग्रह हूं
मैं बाबू कूंवर सिंह हूंकार हूं
महावीर और बुद्ध की तपोभूमि
मैं पावन गया मोक्ष का द्वार हूं

पटना हुआ मेरा हृदय स्थली
मैं ही भारत का कंठहार हूं
मैं हूं चंद्रगुप्त की जन्मस्थली
मैं गौतम बुद्ध की अवतार हूं

मैंने दिया है, शून्य दुनियाँ को
मैं आर्यभट्ट का अविष्कार हूं
नालंदा है मेरा, विश्व धरोहर
मैं यहां लिए ज्ञान का भंडार हूं

एम० एस० हुसैन कैमूरी
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक
विद्यालय छोटका कटरा
मोहनियां कैमूर बिहार

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,

नमस्कार

जेठ की गर्मी, लू से बचाव करते, घर में रहकर भाई-बहन का आपसी प्रेम के साथ खेलते देख मन आनंदित और प्रसन्नचित्त हो जाता है। पत्रिका के पंचम अंक को समर्पित करते हुए आपकी रचनात्मक कला को देखकर अपार खुशी हो रही है। हम सभी सदैव आपकी रचनात्मक कला को सम्मानित करते हैं। आप सभी बच्चे अपने -अपने विद्यालय में निरंतर नवाचार करते रहे। अपने अंदर के बाल कलाकार को बाहर आने दे, आपके पास कोई कला है तो उसको हम तक जरूर पहुंचाएं।

आप सभी के साथ हमारी बालमन चांद, कैमूर की टीम बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए सदाप्रयत्नशील है,अनजाने में कोई त्रुटि या भूल हुई है तो उसके लिए हम क्षमा प्रार्थी हैं।

आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका

प्रमोद कुमार

क.म.वि. चांद, कैमूर

सहयोगी सदस्य

1-उदय पांडे ,म.वि. चांद

2-मो.असलम म.वि. चांद

3-प्रीति कुमारी उ. म.वि. धोबहा

4-मीरा कुमारी उ. माध्यमिक वि.भलुहारी

5-मोनी कुमारी क.म.वि.चांद

6-सुमन सिंह पटेल क.म.वि.चांद

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

बड़ा पद

पिता अपने बेटे के साथ पांच-सितारा होटल में प्रोग्राम अटेंड करके कार से वापस जा रहे थे। रास्ते में ट्रेफिक पुलिस हवलदार ने सीट बैल्ट नहीं लगाने पर रोका और चालान बनाने लगे।

पिता ने सचिवालय में अधिकारी होने का परिचय देते हुए रौब झाड़ना चाहा तो हवलदार जी ने कड़े शब्दों में आगे से सीट बैल्ट लगाने की नसीहत देते हुए छोड़ दिया। बेटा चुपचाप सब देख रहा था।

रास्ते में पिता "अरे मैं आइएएस लेवल के पद वाला अधिकारी हूं और कहां वो मामूली हवलदार मुझे सिखा रहा था, मैं क्या जानता नहीं क्या जरुरी है क्या नहीं, बडे अधिकारियों से बात करना तक नहीं आता, आखिर हम भी जिम्मेदारी वाले बड़े पद पर हैं भई !!" बेटे ने खिड़की से बगल में लहर जैसे चलती गाडियों का काफिला देखा, तभी अचानक तेज ब्रेक लगने और धमाके की आवाज आई।

पिता ने कार रोकी, तो देखा सामने सड़क पर आगे चलती मोटरसाइकिल वाले प्रोढ़ को कोई तेज रफ्तार कार वाला टक्कर मारकर भाग गया था। मौके पर एक अकेला पुलिस का हवलदार उसे संभालकर साइड में बैठा रहा था।

खून ज्यादा बह रहा था, हवलदार ने पिता को कहा "खून ज्यादा बह रहा है मैं ड्यूटि से ऑफ होकर घर जा रहा हूं और मेरे पास बाईक नहीं है, आपकी कार से इसे जल्दी अस्पताल ले चलते हैं, शायद बच जाए।"

बेटा घबराया हुआ चुपचाप देख रहा था। पिता ने तुरंत घर पर इमरजेंसी का बहाना बनाया और जल्दी से बेटे को खींचकर कार में बिठाकर चल पड़ा।

बेटा अचंभित सा चुपचाप सोच रहा था कि बड़ा पद वास्तव में कौन सा है !! पिता का प्रशासनिक पद या पुलिस वाले हवलदार का पद जो अभी भी उस घायल की चिंता में वहां बैठा है...

अगले दिन अखबार के एक कोने में दुर्घटना में घायल को गोद में उठाकर 700 मीटर दूर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने वाले हवलदार की फोटो सहित खबर व प्रशंसा छपी थी। बेटे के होठों पर सुकुन भरी मुस्कुराहट थी, उसे अपना जवाब मिल गया था।

सोशल मीडिया से

Teachers of Bihar

The change makers

विश्व के धरोहर एवं रोचक तथ्य

विश्व के धरोहर

हुमायूँ का मकबरा

हुमायूँ का मकबरा इमारत परिसर मुग़ल वास्तुकला से प्रेरित मकबरा स्मारक है। यह नई दिल्ली के दीनापनाह अर्थात् पुराने किले के निकट निज़ामुद्दीन पूर्व क्षेत्र में मथुरा मार्ग के निकट स्थित है। गुलाम वंश के समय में यह भूमि किलोकरी किले में हुआ करती थी और नसीरुद्दीन (१२६८–१२८७) के पुत्र तत्कालीन सुल्तान केकूबाद की राजधानी हुआ करती थी। यहाँ मुख्य इमारत मुग़ल सम्राट हुमायूँ का मकबरा है और इसमें हुमायूँ की कब्र सहित कई अन्य राजसी लोगों की भी कब्रें हैं। यह समूह विश्व धरोहर घोषित है, एवं भारत में मुग़ल वास्तुकला का प्रथम उदाहरण है। इस मक़बरे में वही चारबाग शैली है, जिसने भविष्य में ताजमहल को जन्म दिया। यह मकबरा हुमायूँ की विधवा बेगम हमीदा बानो बेगम के आदेशानुसार १५६२ में बना था। इस भवन के वास्तुकार सैयद मुबारक इब्न मिराक घियाथुद्दीन एवं उसके पिता मिराक घुइयाथुद्दीन थे जिन्हें अफ़गानिस्तान के हेरात शहर से विशेष रूप से बुलवाया गया था। मुख्य इमारत लगभग आठ वर्षों में बनकर तैयार हुई और भारतीय उपमहाद्वीप में चारबाग शैली का प्रथम उदाहरण बनी। यहां सर्वप्रथम लाल बलुआ पत्थर का इतने बड़े स्तर पर प्रयोग हुआ था। १९९३ में इस इमारत समूह को युनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

रोचक तथ्य

.भारत देश में विश्व के अन्य देशों के मुकाबले सबसे अधिक मस्जिदें है।

अमरेन्द्र कुमार
डिस्ट्रिक्ट मेंटर (TOB)
रोहतास

06/0

Madhu priya

06 मई 2023

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

संकट में हर छोटी सी बात का महत्व होता है।

पं. जवाहरलाल नेहरू

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

6 मई 2023

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

दूसरों को सिखाने की शक्ति पूर्व ज्ञान का विशेष प्रतीक है।

- अरस्तु

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

गर्मी का मौसम पर निबंध

- ग्रीष्म ऋतु साल का सबसे गर्म मौसम होता है।
- जिसमें दिन के समय बाहर जाना काफी मुश्किल होता है।
- पृथ्वी अपने घूर्णन काल के दौरान जब सूर्य की झुकती है, तो गर्मी का मौसम आता है।
- मौसम गर्म होने के बावजूद बच्चे इसे सबसे अधिक पसंद करते है।
- यह गर्मी बच्चों की छुट्टियों का आनंद लेने और मस्ती करने का समय होता है।
- भारत में बहुत से स्थानों पर, लोग पानी की कमी और सूखे की स्थितियों से पीड़ित होते है।
- इस मौसम में कुएं, तालाब और नदियाँ सूख जाती है।
- ग्रीष्म ऋतु में बहुत ही ज्यादा गर्मी होती है, गरम तेज हवाएं चलती है जिसे 'लू' का नाम दिया गया है।
- इस दौरान हमें कई पसंदीदा फलों और फसलों की प्राप्ति होती है।
- इस मौसम में बहुत सी मृत्यु शरीर में पानी की कमी के कारण होती है।
- कुछ वैज्ञानिक का कहना है की मनुष्य द्वारा उत्पन्न होने वाले प्रदूषण के कारण ही गर्मी का स्तर दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

© HindiKiDuniya.com

बालम न टीम चांद कैमूर

लू से सावधानी बचाएँ सबकी जान

प्रदेशवासियों से अपील है कि आप लू के प्रभाव को गंभीरता से लें, इससे बचाव हेतु आवश्यक सावधानी रखें और सुरक्षित रहें...

क्या करें :

- घर से बाहर निकलने के पहले भरपेट पानी अवश्य पियें।
- सूती, ढीले एवं आरामदायक कपड़े पहनें। धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी/ कपड़ा/छतरी का उपयोग करें।
- पानी, छांछ, ओ.आर.एस. का घोल या घर में बने पेय पदार्थ जैसे- लस्सी, नीबू पानी, आम का पना, इत्यादि का सेवन करें।
- भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें, धूप में अधिक न निकलें।

लू के लक्षण :

- सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्यधिक पसीना एवं बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना।

क्या न करें :

- धूप में खाली पेट न निकलें। पानी हमेशा साथ में रखें। शरीर में पानी की कमी न होने दें।
- धूप में निकलने के पूर्व तरल पदार्थ का सेवन करें।
- मिर्च मसाले युक्त एवं बासी भोजन न करें।
- बुखार आने पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें। कूलर या एयर कंडीशन से धूप में एकदम न निकले।
- धूप में अधिक न निकलें।

ध्यान रखें लू के लक्षण हो तो

- व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटायें।
- व्यक्ति के कपड़े ढीले करें।
- उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलायें,
- तापमान घटाने के लिये ठंडे पानी की पट्टियां रखें।
- प्रभावित व्यक्ति को तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें।

नन्हें कलाकार

उ.म.वि.लेदरी चांद कैमूर

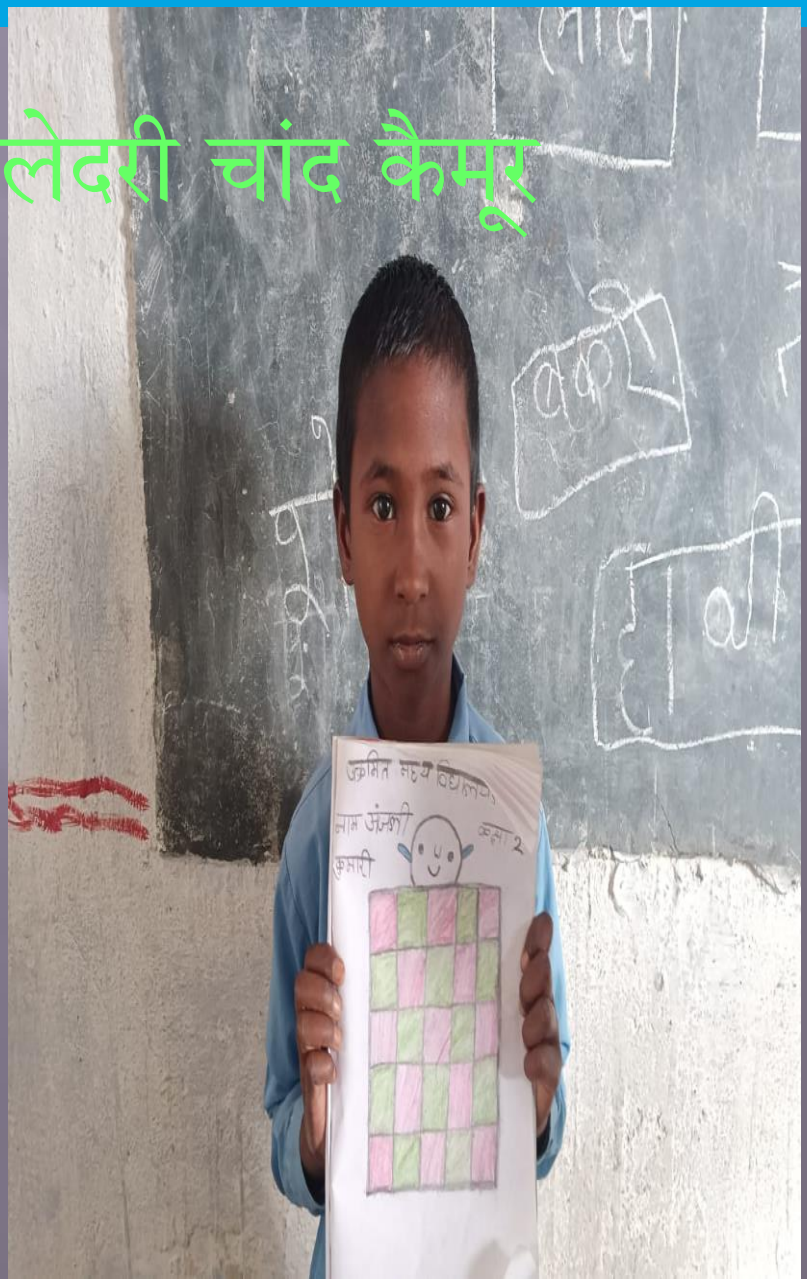

नन्हें कलाकार

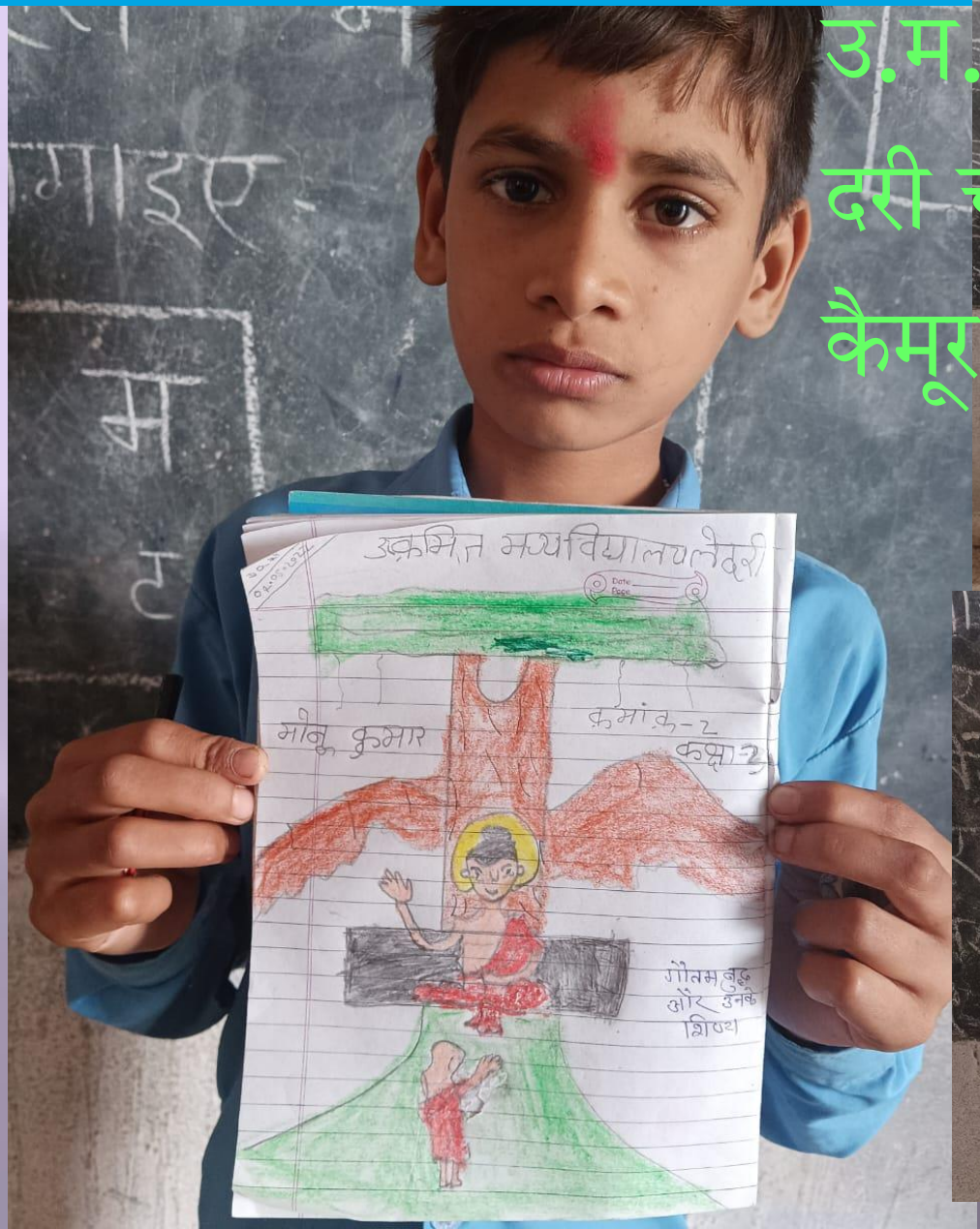

उ.म.वि.ले
दरी चांद
कैमूर

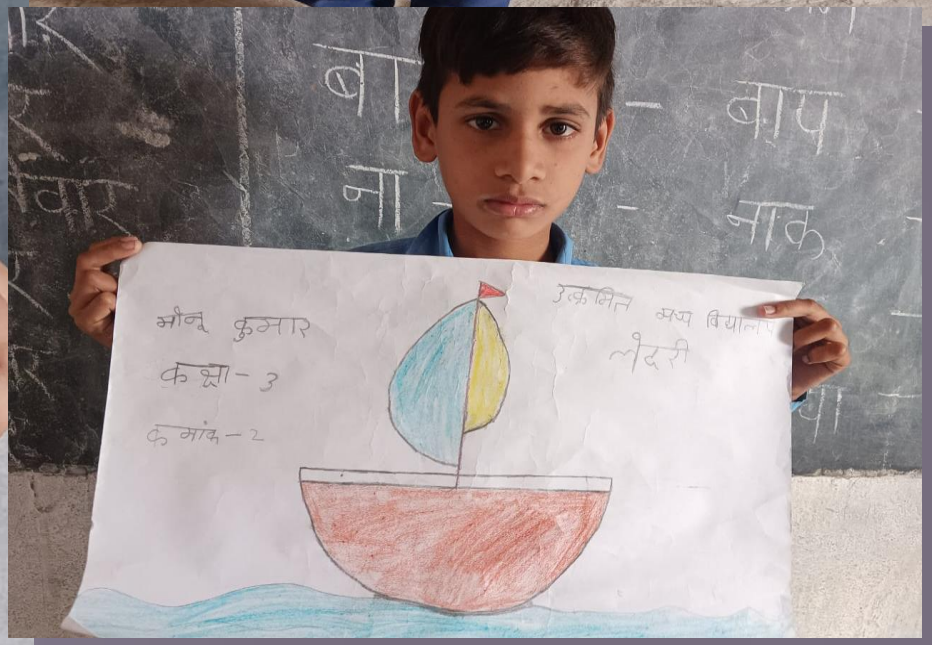

चेतना सत्र

प्रा.वि.भरुहिया चांद कैमूर

चेतना सत्र

उ.उच्च माध्यमिक वि.जिगना चांद कैमूर

चेतना सत्र

प्रा.वि.भरुहिया चांद कैमूर

चेतना सत्र

चेतना सत्र

टी.सी. वितरण

कठिनाई के बिना कोई सफलता नही मिलती।
e- LOTS : e-Library of Teachers & Students
प्रा.वि.भरुहिया चांद कैमूर

पुस्तकोत्सव

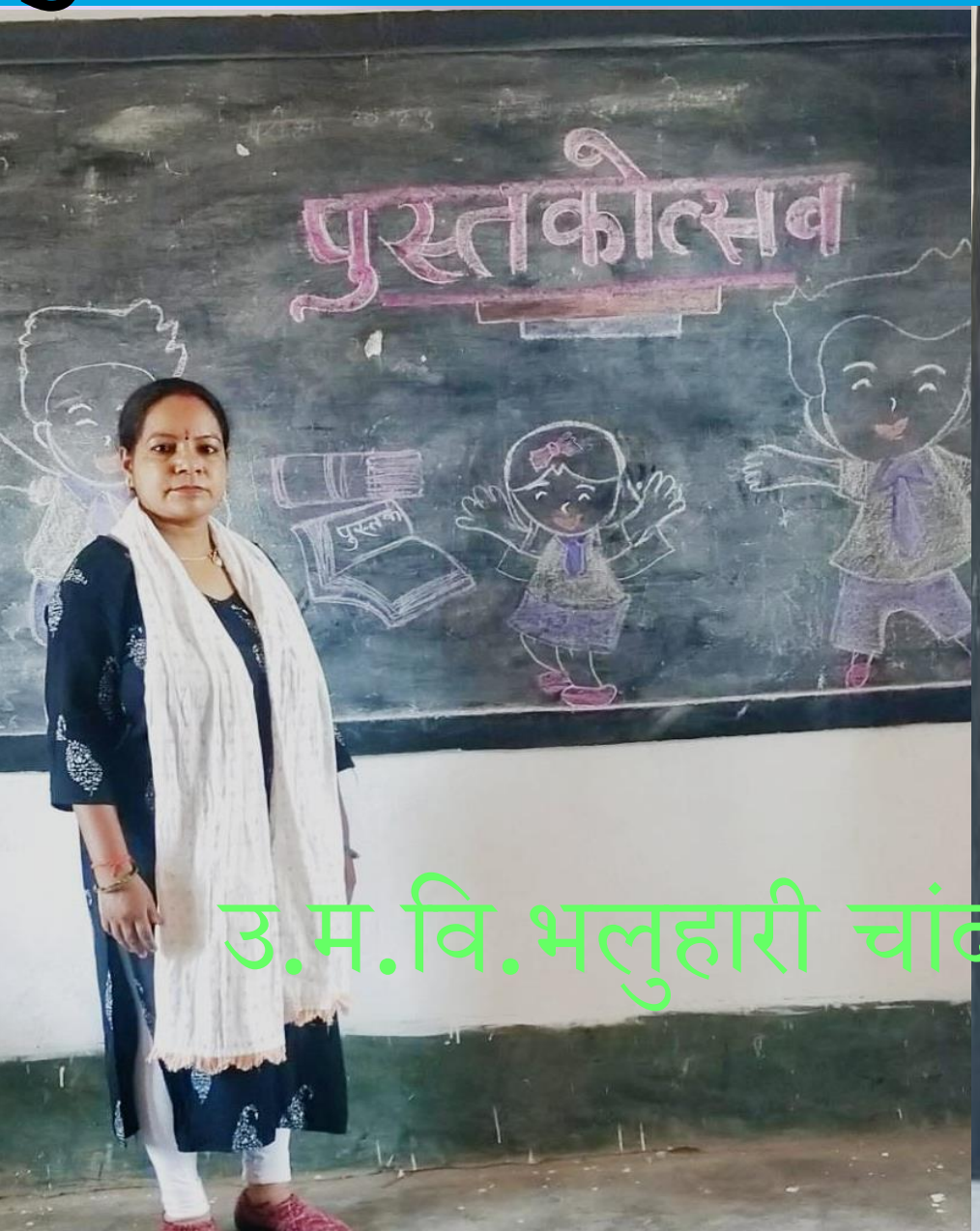

उ.म.वि.भलुहारी चांद कैमूर

पुस्तकोत्सव

क.म.वि.चांद कैमूर

पुस्तकोत्सव

क.म.वि.चांद कैमूर

बैगलेस शनिवार

उ.म.वि.पाढी चांद
कैमूर

प्रा.वि.सिहोरिया चांद
कैमूर

न्यू प्रा.वि.कोड्डा चांद
कैमूर

बैगलेस शनिवार

उ.म.वि.पाढी चांद

कैमूर

कविता

हरी डाल पर थी लगी,
नन्हे गुलाब की थी
कली।
तितली रानी आकर
बोली, गुलाब हो तुम
बड़ी भोली।।
हे पंखुड़ी आंखें खोलो,
और हमारे संग खेलो।
सुंदर महक है तुम्हारी,
फैले गली गली सद
सारी।।

भरी लाई टोकरी, जामुन
की छोकरी।
छोकरी ने नहीं बताए
दाम, टोकरी में थे सभी
मीठे आम।।
नहीं बताती अपना नाम
,हमको देती है मीठे
आम।
नाम नहीं है पूछना, हमें
आम है चखना।।

बालमन टीम चांद कैमूर

कहानी

एक लड़का था मोहन। उसका घर पहाड़ियों के बीच था। नदी के उस पार आंगनवाड़ी केंद्र था। उसकी मां उसे रोज आगनबाडी पहुंचा कर घर चली आती थी। मगर मोहन कई बहाने बनाकर बाहर निकल जाता और खेलने लगता। उसका मन पढ़ाई में नहीं लगता । एक बार वह बहाने बनाकर आंगनवाड़ी केंद्र से निकलकर पूल पर जाकर खेलने लगा। अचानक खेलने में उसका पैर फिसल गया और वह नदी में जा गिरा। वह चिल्लाने लगा तो पास खेतों में काम कर रहे कामगारों की नजर पड़ी और वह दौड़ कर आए ,नदी से बाहर निकाला। मोहन बहुत डर गया था और पानी में भीगने से उसे ठंड भी लगने लगी। उससे खुद पर बहुत गुस्सा आया। उसे पश्चाताप होने लगा उसी समय उसने संकल्प लिया कि वह कभी भी आंगनबाड़ी केंद्र से बाहर बहाने बनाकर नहीं भागेगा।मन लगाकर पढाई करेगा और आगे चलकर माता-पिता का नाम रोशन करेगा। वास्तव में मोहन बड़ा होकर अपने जिले का

बालमन टीम चांद कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

पर्दानशीन उर्दू वि.करवन्दिया चांद

कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

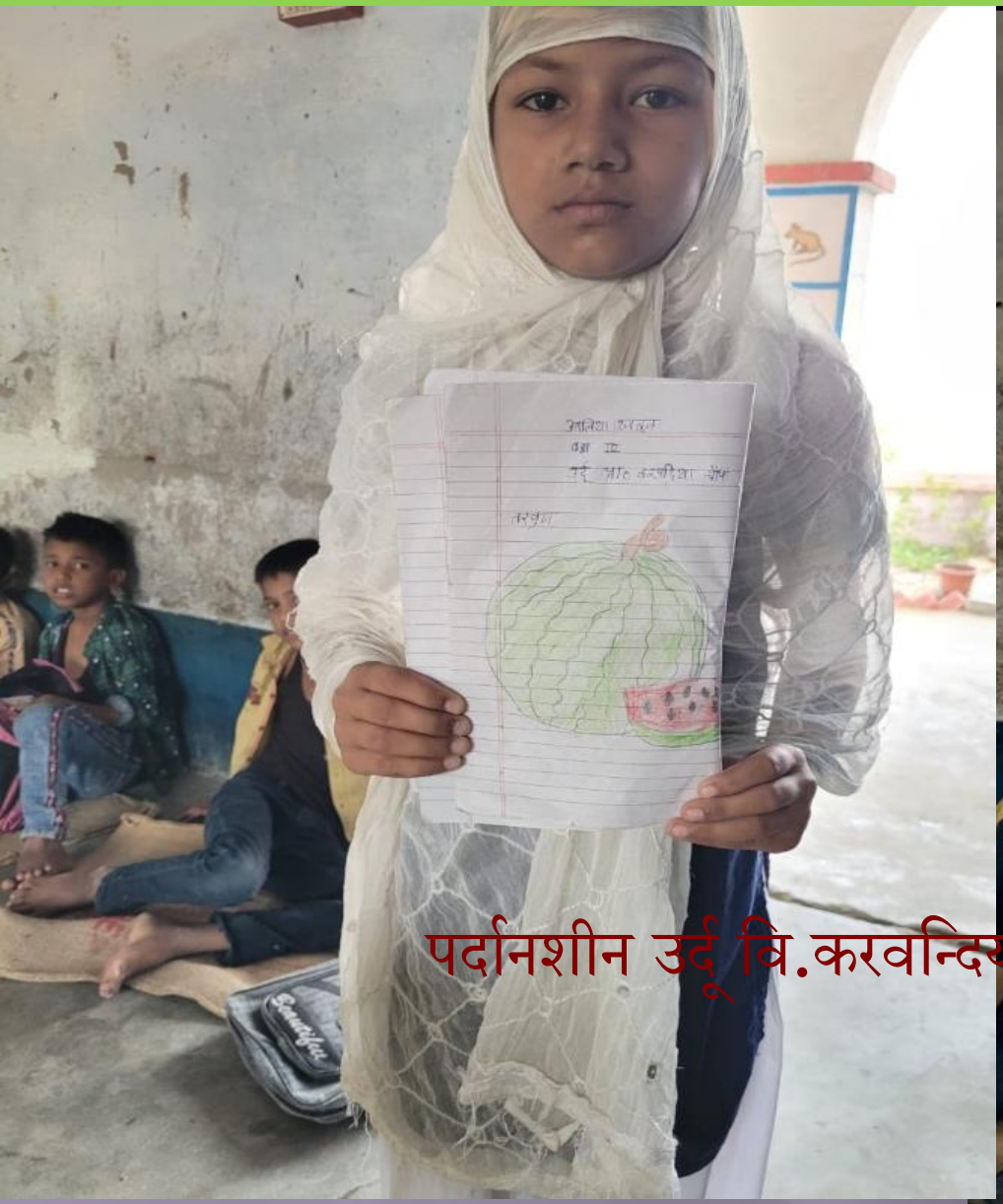

पर्दानशीन उर्दू वि.करवन्दिया चांद कैमूर

फोटो आंफ द मंथ

उ.म.वि.चन्दा चांद कैमूर

खेल-कूद

उ.म.वि.चन्दा चांद
कैमूर

खेल-कूद

अम्बेडकर जयंती खेल प्रतियोगिता गांव किलनी चांद कैमूर

TEACHER OF THE MONTH

नाम-वंश नारायण सिंह
जन्मदिन-8 जनवरी 1966
शैक्षिक योग्यता-
मैट्रिक(1981)-नेशनल इंटर कॉलेज सैयदराजा चंदौली (उ.प्र.)
इंटर(1983)-नेशनल इंटर कॉलेज सैयदराजा चंदौली (उ.प्र.)
स्नातक(विज्ञान)-उदय प्रताप कॉलेज वाराणसी (उ. प्र.)1985
परास्नातक (वनस्पति विज्ञान प्लांट पैथोलॉजी)1988-उदय प्रताप कॉलेज वाराणसी
प्रशैक्षणिक योग्यता-बी.एड.
1999 बैच
पदनाम- प्रधानाध्यापक
पदस्थापन- उत्क्रमित मध्य विद्यालय ईचांव ,चांद ,कैमूर

चहक

चहक

पर्दानशीन उर्दू वि.करवन्दिया
चांद कैमूर

ToB बालमन कैमूर

अज़ब-गज़ब

1.कंगारू जमीन पर चलने के साथ -साथ पानी में भी तैरना जानता है।

2. मात्र 14 वर्ष की छोटी उम्र में भाविका राजेश माहेश्वरी ने सबसे कम उम्र में 3000 कैदियों को जेल में विचार शुद्धि कथा करके विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

3. हाथी को कोई भी वस्तु दोगुनी बड़ी दिखाई देती है।

4. जापान में वयस्क लोगों को भी गोद लिया जाता है जिससे वो फॅमिली बिज़नेस चला सकें।

5.पूरी उम्रभर में हमारे मुँह में इतनी लार बनती है जिससे दो स्विमिंग पूल भर जाए।

धीरज कुमार
UMS सिलौटा भभुआ कैमूर

ToB राकेश कुमार

खेल कॉर्नर 06.05.202

भारतीय महिला ओलम्पिक पदक विजेता

भारतीय महिला ओलंपिक विजेता: सभी पदक

एथलीट	पदक	खेल (स्पर्धा)	ओलंपिक संस्करण
कर्णम मल्लेश्वरी	कांस्य	भारोत्तोलन (महिलाओं का 54 किग्रा)	सिडनी 2000
साइना नेहवाल	कांस्य	बैडमिंटन (महिला एकल)	लंदन 2012
मैरी कॉम	कांस्य	मुक्केबाज़ी (महिलाओं का फ़्लाईवेट)	लंदन 2012
पीवी सिंधु	रजत	बैडमिंटन (महिला एकल)	रियो 2016
साक्षी मलिक	कांस्य	कुश्ती (महिलाओं का 58 किग्रा)	रियो 2016
मीराबाई चानू	रजत	भारोत्तोलन (महिलाओं का 49 किग्रा)	टोक्यो 2020
लवलीना बोरगोहेन	कांस्य	मुक्केबाज़ी (महिलाओं का वेल्टरवेट)	टोक्यो 2020
पीवी सिंधु	कांस्य	बैडमिंटन (महिला एकल)	टोक्यो 2020

कैमूर एक परिचय

अनुमंडल की संख्या-02

(भभुआ, मोहनिया) भभुआ अनुमंडल मे प्रखंड और अंचल-

चांद, चैनपुर ,भगवानपुर,

अधौरा, भभुआ, रामपुर

मोहनिया अनुमंडल में प्रखंड और अंचल-

दुर्गावती, कुदरा, मोहनिया

रामगढ़ ,नुआंव

पंचायत और गांव की संख्या-

चांद - पंचायत 12 ,गांव 137

चैनपुर-पंचायत 17, गांव 177

भगवानपुर-पंचायत 9, गांव135

अधौरा-पंचायत 11,गांव 131

भभुआ-पंचायत 22 ,गांव 289

दुर्गावती-पंचायत 13, गांव108

कुदरा-पंचायत 15 ,गांव 159

मोहनिया-पंचायत18,गांव 209

रामगढ़-पंचायत 13, गांव 126

नुआंव-पंचायत 10, गांव 92

बालमन टीम चांद, कैमूर

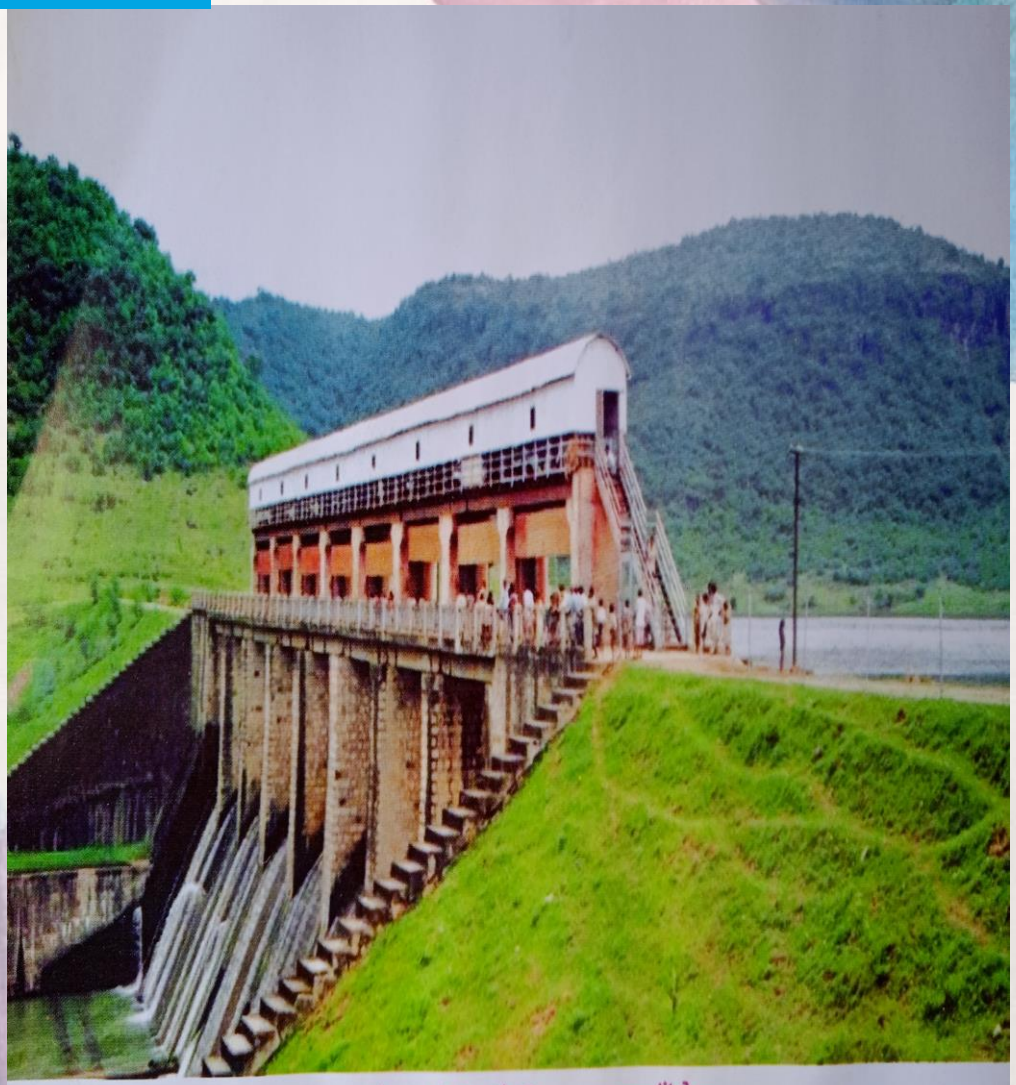

कैमूर जिले में स्थित जगदहवाँ डैम

दूरी - जिला मुख्यालय भभुआ से 20 कि.मी.

दुसर प्रखंड आपन जिला

हनी, अमृता,मनसा वर्ग-7

दुसर प्रखंड आपन जिला

चांदनी, शिवानी बन्दनी

प्रा.वि.मोहम्दपुर मोहनिया कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

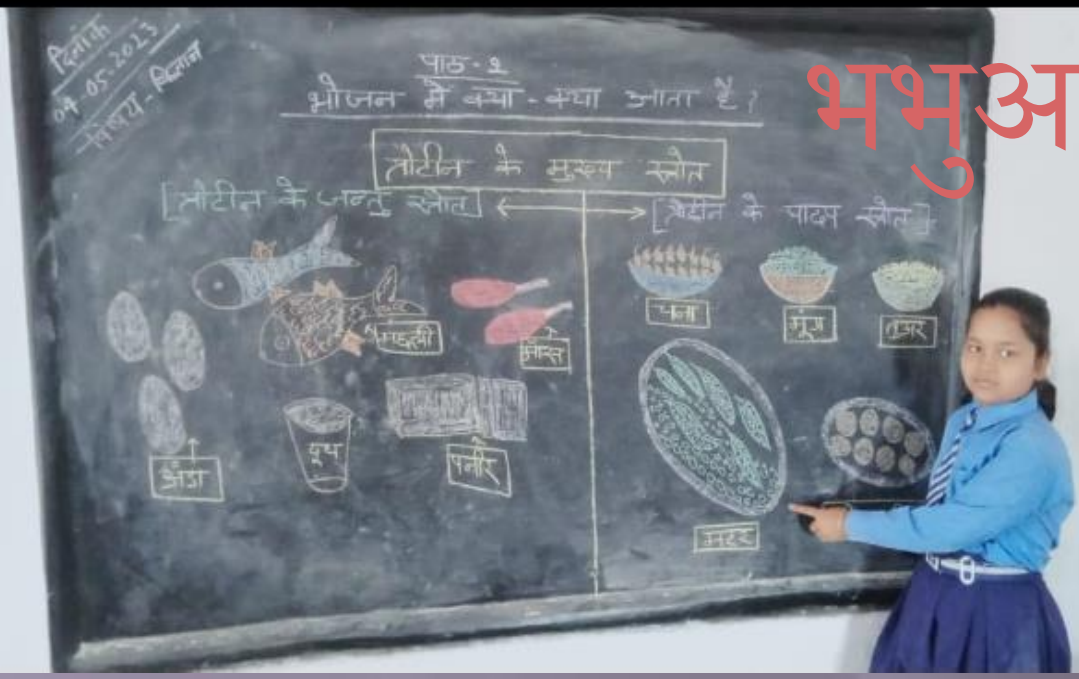

म.वि.सिलौटा

भभुआ कैमूर

दुसर प्रखंड आपन जिला

दुसर जिला आपन राज्य

सुहानी सुमन वर्ग7
म.वि.सिरोपती
समस्तीपुर

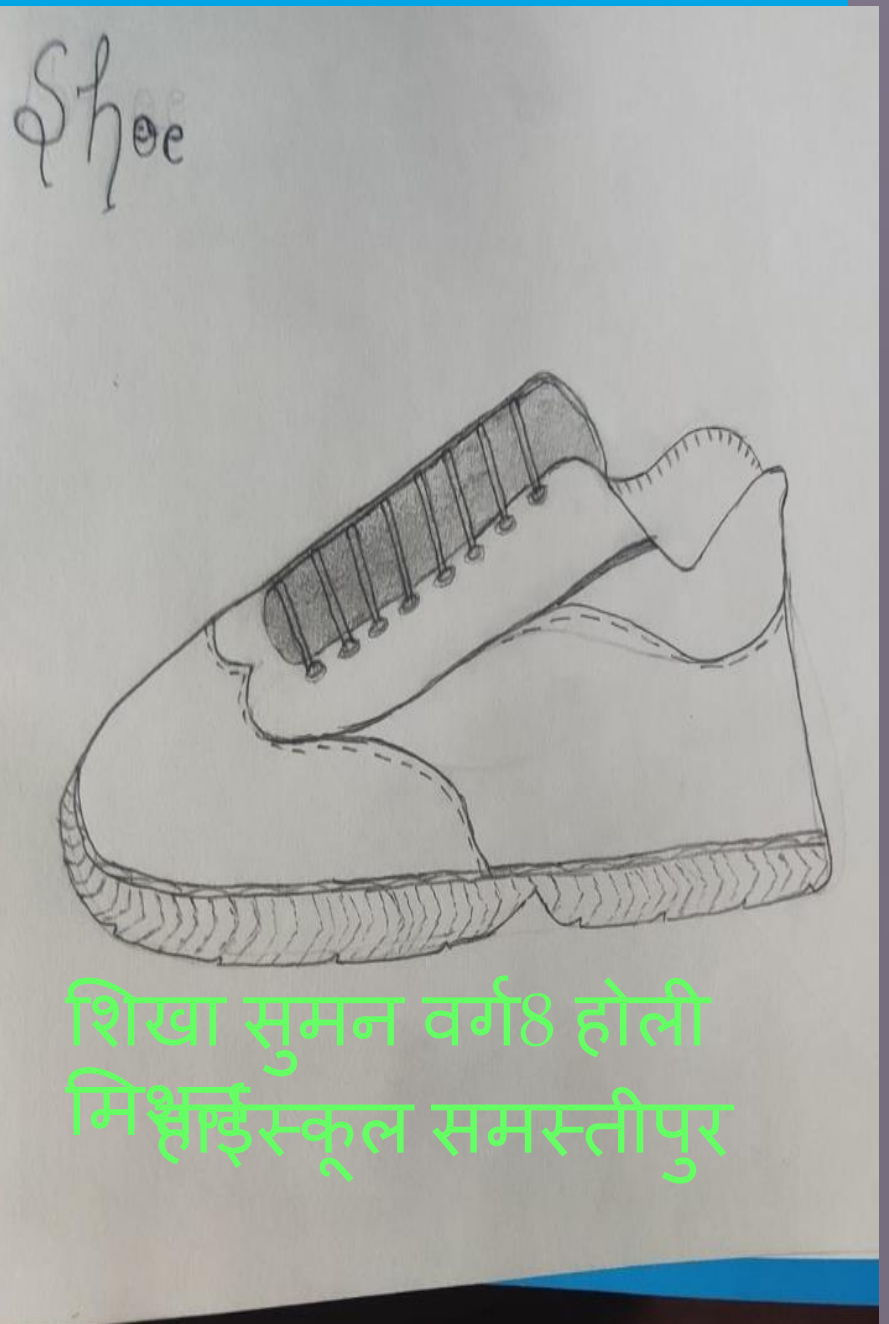

शिखा सुमन वर्ग8 होली
मिडिल स्कूल समस्तीपुर

दुसर जिला आपन राज्य

दुसर राज्य आपन देश

प्रोत्साहन पुरस्कार

गुरु प्रकाशबी.एड.कालेज केकड़ा प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा क.म.वि.चांद कैमूर के छात्रों को सम्मानित करते

प्रोत्साहन पुरस्कार

गुरु प्रकाशबी.एड.कालेज केकड़ा प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा क.म.वि.चांद कैमूर के छात्रों को सम्मानित करते

प्रोत्साहन पुरस्कार

गांधी कथा वाचन

क.म.वि.चांद कैमूर

प्रतियोगिता

उ.म.वि.पाढी

चांद कैमूर

मध्यान भोजन

उ.म.वि.बैरी
चांद कैमूर

बाल संसद का गठन

उ.म.वि.बसहां
चांद कैमूर

महत्वपूर्ण दिवस

1 मई-अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस
5 मई-बुद्ब जयंती
8 मई-विश्व रेडक्रॉस दिवस
12 मई-अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस
14 मई-मातृत्व दिवस (मई माह का दूसरा रविवार)
15 मई-विश्व परिवार दिवस
18 मई-विश्व एड्स वैक्सीन दिवस
22 मई-महाराणा प्रताप जयंती
31 मई-तंबाकू निषेध दिवस

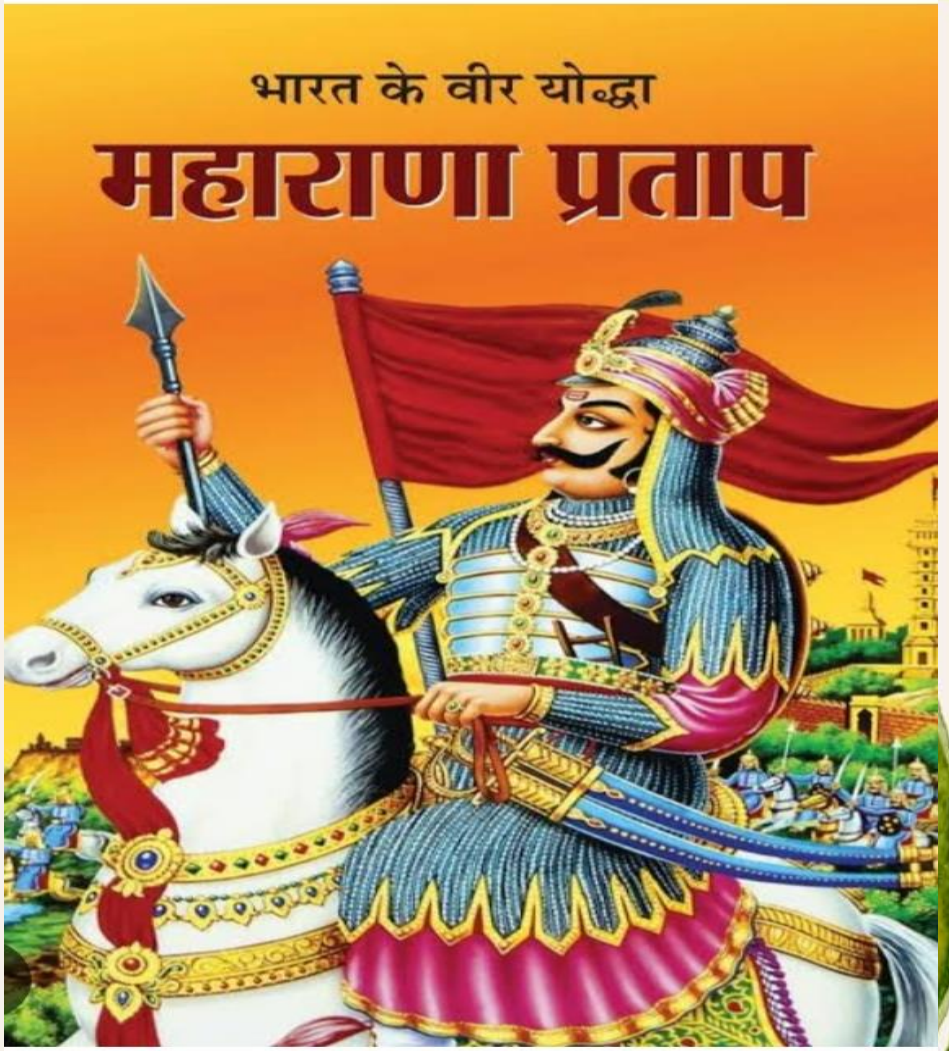

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाइल 9661547325 पर दे सकते है।

Thank you